राजनीति

(प्रथम चरण)

संदर्भ

POST STRUCTURALISM का मानना है कि SEX और GENDER दोनों SOCIALLY CONSTRUCTED है और वह SEX को INDENTITY के आधार पर ना देखकर PERFORMATIVITY (SOCIAL ACTIONS) के आधार पर देखता है।

विषय 1.

नारीवादियों के मन का यह सदन POST STRUCATURAL FEMINISM को नारीवादी धाराओं से अलग करने की मांग करता है।

संदर्भ

कार्ल मार्क्स के लेखन को बाद के चिंतकों द्वारा दो भागों में बांटा गया हैं :

A. HUMANIST मार्क्स जिसे कि IMMATURE मार्क्स कहा गया।

B. COMMUNIST मार्क्स जिसे कि MATURE मार्क्स कहा गया।

विषय 2.

बुद्धजीवियों के मन यह सदन IMMATURE मार्क्स को MATURE मार्क्स से पूंजीवाद के लिए अधिक बड़ा खतरा मानता है।

विषय 3.

समाजशास्त्रियों के सदन का मत है कि उदारवाद से निकला पूंजीवाद उदारवाद की मौलिक अवधारणा के विरुद्ध है।